राज्य सेवा अधिकारियों के लिये
आधारभूत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 2024
[27 मई 2024 से 06 सितम्बर 2024]

ग्रामीण क्षेत्रों का अध्ययन कार्यक्रम
के लिए मार्गदर्शिका
[29 जुलाई, 2024 से 02 अगस्त 2024]

राजस्थान सरकार

हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान

जयपुर–302017

दूरभाष – **0141-2706556, 206268 & 2715203** फैक्स **0141-2705420**

विषय सूची

क्र.संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1	गाँव का अध्ययन– कुछ सुझाव	
2	ग्राम अध्ययन के उद्देश्य	
3	ग्राम अध्ययन के दौरान किये जाने वाले कार्य	
4	कार्य विधि	

परिशिष्ट		पृष्ठ संख्या
I	गाँव में स्थापित संस्थाएँ	
II	गाँव में क्रियान्वित सरकार की विभिन्न योजनाएँ एवं कार्यक्रम	
III	विषयवस्तु जिसका अध्ययन आपके द्वारा किया जावेगा	
IV	ग्रामीण स्कूल/ग्रामीण शिक्षण संस्थाएँ	
V	अनुपयोगी भूमि, सामाजिक, वानिकी, जल विभाजन, वाटर शेड, पेय जल तथा ईंधन जैसे मुद्दों का विश्लेषण करने हेतु प्रश्नावली	
VI	महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों पर प्रश्नावली	

I. गाँव का अध्ययनः–

1. आप सभी लोग गाँव के बारे में यथा, उनके सामाजिक ढाँचे, उनकी जातिगत प्रतिस्पर्धाओं, उनके सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति पर, गैर बराबरी के संसाधनों पर नियंत्रण, उनकी गरीबी तथा बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जुड़े विकास के प्रयासों के बारे में पढ़ते रहे होगें। गाँव की वास्तविकताओं को समझने के लिए, गाँवों पर हुए अध्ययन पढ़ने से बेहतर है कि स्वयं जाकर गाँव का अध्ययन किया जाये, जिससे वहाँ के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त की जा सके। ग्राम अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उसके पीछे आपको ग्रामीणों के साधनहीन व शक्तिहीन आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाना है।

2. ग्राम अध्ययन के दौरान जिन गाँवों में आप जा रहे हैं उन्हें आप बारीकी से देखें और स्वयं विश्लेषण करें कि गाँव के पिछड़ेपन तथा उनकी आर्थिक आवश्यकताएँ क्यों पूरी नहीं हो पाती। स्वंतन्त्र भारत में सभी को आर्थिक सुदृढ़ बनाने का कार्य सात दशक से चल रहा है और अब तक हमें अपनी ताकतों और कमजोरियों का काफी अनुभव हो चुका है। हमारी आपूर्ति व्यवस्था अपर्याप्त क्यों है, तथा हम अपनी असफलताओं पर काबू कैसे पा सकते है? आपसे अपेक्षा की जाती है कि ग्रामीण अध्ययन के दौरान कोशिश करके आप लोगों से स्थानीय भाषा में बात करें ताकि ग्रामीण स्त्री पुरूष अपनी समस्यायें व सुझाव आपके साथ साझा कर सकें।
3. जैसा कि आप जानते है प्रत्येक गाँव में 5–8 प्रशिक्षु अधिकारियों का समूह अध्ययन हेतु जायेगा। आपके प्रवास के अन्त में आपको अध्ययन की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।
4. आपके गाँव में प्रवास के दौरान आपसे सैद्धान्तिक बातों के साथ–साथ जिस गाँव में आप गये वहाँ की तथा जिन लोगों से आप मिले उनकी विशेषता का उल्लेख प्रस्तुतीकरण में करना होगा।
5. गाँव में भ्रमण के दौरान जिन लोगों से बातचीत करते हैं तथा उनका विश्वास जीत लेते है तो यह संस्थान के लिए ग्राम अध्ययन कार्यक्रम के उद्देश्य की पूर्ति करता है।

6. अनाधिकारिक तौर पर ग्राम भ्रमण के दौरान अनुपस्थित होना दण्डनीय है। अतः ग्राम अध्ययन से ज्यादा से ज्यादा सीखने का प्रयास करें।

II. ग्राम अध्ययन के पाठयक्रम के उद्देश्यः–

गाँव में रहकर ग्राम अध्ययन करना प्रशिक्षु अधिकारी को ग्रामीण जीवन से अवगत कराना है। इसे गाँव का त्वरित मूल्यांकन भी कहा जा सकता है। आप में से कुछ लोग पहले भी गाँव से जुड़े होगें परन्तु संभवतः ग्रामीण जीवन के विषम यथार्थ को देखने का प्रयास नही किया होगा। ग्राम अध्ययन प्रशिक्षु अधिकारी को ग्रामीण जीवन और उसकी कठिनाइयों जिनका सामना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग करता है, उसके प्रति संवेदनशील बनाना है।

जब आप गाँव की संस्थाओं, सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन देख रहें हों तो हमेशा यह जानने का प्रयास करें कि उनका प्रभाव विभिन्न ग्रामीण समूहों पर किस प्रकार पड़ रहा है।

ग्राम अध्ययन के उद्देश्य निम्न प्रकार हैः–

1. ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और भौतिक रूपरेखा को समझना जो कि ग्रामीण जीवन की, गुणवत्ता को प्रभावित करती है। ग्रामीणों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनना, उनके बारे में सूचना एकत्रित करना, उनकी आवश्यकताओं और चिन्ताओं को महसूस करना, समस्याओं के प्रति उनके विचारों को जानना।
2. यह समझना कि ग्रामीण अपनी समस्याओं को किस प्रकार सुलझाते हैं, स्थानीय संसाधनों की जानकारी पाना तथा यह देखना कि विकास कार्यक्रमों में ग्रामीणों की भागीदारी किस तरह से है?
3. आर्थिक दृष्टि से कमजोर समूह हेतु कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का मूल्याकंन करना, उन तथ्यों को समझना व सुगम बनाना जो प्रशासनिक योजनाओं तथा निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
4. अध्ययन के विश्लेषण के परिणाम के आधार पर नीति–निर्धारण प्रस्तावित करना तथा गाँव के स्तर पर सूक्ष्म योजनाएँ बनाना।

5. गाँव में महसूस किए जा रहे विभिन्न तरह के भेदभाव का अध्ययन करना भी आपके अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है।

III. ग्राम अध्ययन के दौरान किये जाने वाले कार्यः–

प्रशिक्षु अधिकारी को निम्न बिन्दुओं पर अध्ययन करना हैं तथा उनका लिखित ब्यौरा तैयार करना है जिसकी प्रस्तुति आपके लौटने पर विशेषज्ञों के समक्ष की जायेगीः–

1. **गाँव की रूपरेखा :** इसमें गाँव का सामान्य विवरण होना चाहिए जिसका आधार गाँव की स्थिति, जनसंख्या, सामाजिक वर्गीकरण, भूमि के स्वामित्व का प्रकार, सिंचाई के तरीके, वहाँ होने वाली फसलें आदि हो। यह जानकारी एकत्र करने के लिऐ आप गाँव के कर्मचारियों तथा जिलास्तर के अधिकारियों की सहायता ले सकते है। वास्तविकताओं के प्रति आपकी प्रतिक्रिया तथा गाँव की स्थिति का मूल्यांकन गाँव की रूपरेखा का आधार होना चाहिए। यह रूपरेखा 2 या 3 पृष्ठों में हो सकती है।
2. **ग्रामीण संस्थान :** आपकों गाँव के किसी एक संस्थान का विस्तृत अध्ययन करना है, जिसमें इस संस्था की आवश्यकता, उसकी भूमिका तथा उसके कार्य को शामिल करना है। यदि इससे जुड़े कुछ कानूनी प्रावधान है तो गाँव की वास्तविक स्थिति से उसकी तुलना भी होनी चाहिए।
3. **विषयवस्तु :** यहाँ ग्राम के विशेष पहलुओं पर अध्ययन करने का अवसर है। आप चाहें जो भी विषय लें उसमें आम आवश्यकताओं तथा हमारे राष्ट्रीय उद्देश्य या उससे जुड़े पक्षों का विश्लेषण शामिल करें तथा गाँव में जो भी वास्तविकताएँ देखते हो, उसे विस्तार से लिखें।
4. **क्रियान्वित कार्यक्रमों के प्रति ग्रामीणों का दृष्टिकोण :** गरीबी उन्मूलन तथा ग्रामीण विकास के लिए बहुत से कार्यक्रम जो सरकारी अथवा निजी संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे हो जिनका क्रियान्वयन राज्य में पंचायती राज संस्थाएँ ग्रामीणों के सहयोग से करती हैं, आपके पास इस प्रकार की योजनाओं का सार होना चाहिए। ग्रामीण जीवन के विषय पर लिखित सामग्री के बजाय विभिन्न वर्गों (काम करने वाले और काम न करने वाले दोनों) के वहाँ के कार्यक्रमों के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन उचित रहता है। आपकों गाँव में इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की पृष्ठभूमि अवश्य

देनी चाहिए, और यह भी अवश्य बताना चाहिए कि यह कार्यक्रम वास्तविक तथा आर्थिक रूप से कैसे चलाया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीणों का दृष्टिकोण जानने के लिए अधिक से अधिक लोगों से सम्पर्क करें विशेष तौर पर महिलाओं और समाज के हाशिये पर जीने वाले लोगों से। आप वास्तविकता सरकारी कागजों में दिखायी स्थिति के आधार पर मूल्यांकन दें। आप गाँव के किसी संस्थान के द्वारा क्रियान्वित सरकारी कार्यक्रम का अथवा किसी विशेष विषय एवं उसकी स्थिति का मूल्यांकन भी प्रस्तुत करें। आप उन परिवारों का भी अध्ययन करें जो किसी विशेष कार्य या रणनीति को नहीं अपनाते है। इससे यह जानकारी मिलेगी कि ऐसे कौन एवं कितने लोग हैं जो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रयोग नहीं करते अथवा स्कूल या बैंक नहीं जाते। यदि ऐसा है तो उसके पीछे क्या कारण है? कृषि क्षेत्र में यदि किसी ने अधिक उपज होने वाली फसलों को नहीं अपनाया तो उसके पीछे क्या कारण रहा है। इससे सरकारी तथा सामाजिक संस्थानों के बारे में अन्तदृष्टि देखने को मिलेगी।

5. **गाँव के सर्वाधिक गरीब परिवार की रूपरेखा एवं उनका अध्ययन** : यह आपका सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। विभिन्न परिवारों से मिलकर तथा सावधानीपूर्वक पूछताछ के बाद सबसे आर्थिक रूप से पिछड़ें परिवार का चयन करें। उनके पास उपलब्ध संसाधनों का वर्णन करें। उनके पास मौजूद बर्तन, बिस्तर, कुछ कपड़े, झौपड़ी आदि और उन पर चढ़े कर्ज और उनकी अपने अस्तित्व को बनाये रखने की बात बतायें। साथ ही उनकी कई जिम्मेदारियों को भी बतायें। यह भी वर्णन करें कि क्या उन्हें अपने रिश्तेदारों या अन्य ग्रामीणों से कोई मदद मिलती है? या क्या उन्हें कोई संस्थानिक या सरकारी मदद मिलती है? प्राकृतिक आपदा जैसे आग, बाढ़, अकाल, तूफान आदि में परिवार अपने आपको कैसे जीवित रखता है।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं पर आप अपनी प्रतिक्रिया और दृष्टिकोण बतायें। परिवार द्वारा किये जाने वाले श्रम को स्पष्ट तौर पर बतायें। क्या उनकी समस्या का जो कि आम या खास हो सकती है, का क्या कोई समाधान है? आप ऐसे समाधान का वर्णन देवें।

IV. कार्यविधि :–

1. गाँव में खुले दिमाग से जाइये न कि किसी सिद्धान्तों व आशाओं के साथ। ग्रामीणो से सिखने का प्रयास करें ना कि उनको सिखाने का प्रयास। गाँव के पक्षों एवं धारणाओं को एकत्र कीजिए। गाँव वालों को अपनी समस्याओं का विश्लेषण और समाधान स्वयं करने दीजिए। आपका विश्लेषण केवल तथ्यों पर आधारित होना चाहिए।
2. गाँव वालों के साथ बिना किसी सरकारी कर्मचारी के मिलिये। उन्हें ऐसा नहीं महसूस होना चाहिये कि आप सरकारी मशीनरी के अंग है।
3. गाँव वालों की समस्याओं को सुनिये। गाँव वालों को किसी समस्या के समाधान का वादा न करें। उनके मन में किसी तरह की आशायें भी मत जगाइये। आपको एक प्रशिक्षु की हैसियत से गाँव में भेजा जा रहा हैं, और सरकारी मशीनरी का अंग होने के नाते यह देखना है कि गाँव वालों के लिए क्या किया जा सकता है, और क्या नही?
4. महिलाओं एवं वंचित वर्ग से अवश्य मिलिये। उन्हें सहानुभूति दिखाइये मगर किसी का पक्ष मत लीजिये।
5. अपने दृष्टिकोण को, अपने सुझावों को ईमानदारी से व्यक्त कर दर्ज कीजिए तथा वहाँ के जिला अधिकारियों को दिखाइये। अपने सुझावों को अन्तिम समाधान के तौर पर लिये जाने का आग्रह न करें। यह बात जिला–अधिकारियों पर छोड दीजिये कि वह आपकी रिपोर्ट पर क्या प्रतिक्रिया करते हैं तथा क्या निर्णय लेते हैं।

गाँव में स्थापित संस्थाएँ

1. गाँव का स्कूल
2. ग्राम पंचायत
3. सहकारी समिति
4. वाणिज्यिक अथवा क्षेत्रीय बैंक
5. प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र अथवा उपकेन्द्र / आयुर्वेद औषधालय
6. पशु चिकित्सा केन्द्र अथवा उपकेन्द्र
7. महिला मंडल / नव युवक मंडल
8. हस्तशिल्प प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र
9. स्वयंसेवी संस्थायें
10. किसान संगठन / जातीय संगठन
11. सामुदायिक पंचायते / परम्परागत संस्थायें
12. धार्मिक पूजा–स्थल
13. जमीदार / भू–स्वामी
14. पटवारी
15. ग्रामीण स्तर के कार्यकर्ता
16. पैसा उधार देने वाला
17. स्वंय सहायता समूह

परिशिष्ट–2

गाँव में क्रियान्वित सरकार की विभिन्न योजनाएँ एवं कार्यक्रमः–

अ) केन्द्र प्रवर्तित योजनाऐं

1. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका विकास परिषद
2. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना
3. प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण
4. सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम
5. सांसद आदर्श ग्राम योजना
6. सीमावर्ती क्षेत्र विकास कार्यक्रम
7. डी.आर.डी.ए. प्रशासन योजना इत्यादि एवं अन्य समस्त योजनाएं

(ब) राज्य प्रवर्तित योजनाऐं

1. विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम
2. मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत योजना
3. गुरू गोलवलकर जन भागीदारी विकास योजना
4. स्व–विवेक जिला विकास योजना
5. डांग क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम
6. मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम
7. मेवात क्षेत्रीय विकास योजना
8. श्री योजना
9. स्मार्ट विलेज इत्यादि एवं अन्य समस्त योजनाएं

(स) केन्द्रीय/बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाऐं

1. गोबर गैस उपयोग
2. पंचायती राज संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण
3. सूचना प्रौद्योगिकी तकनीक का पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त करने में उपयोग
4. पंचायती राज संस्थाओं के जन प्रतिनिधियों/अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण

5. गाँव में विभिन्न योजनाओं का वित्तीय प्रबन्धन
6. रियायती दर पर आवासीय भूखण्ड का आवंटन
7. ग्राम पंचायत कार्यालय भवन निर्माण की स्थिति
8. पंचायत समिति कार्यालय भवन की स्थिति
9. आंगनबाडी केन्द्र भवन की स्थिति
10. किसान सेवा केन्द्र
11. जनता जल योजना
12. ग्राम पंचायत विकास योजना
13. पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार की स्थिति
14. ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार की स्थिति
15. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान
16. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)
17. जल ग्रहण एवं भू–संरक्षण इत्यादि

विषयवस्तु जिनका अध्ययन आपके द्वारा किया जायेगा

1. कृषि एवं भूमि

1. भूमिहीन श्रमिकों की स्थिति
2. भूमि स्वामित्व के प्रकार
3. प्रयोग एवं वितरण
4. अधिक उपज देने वाली फसलों की किस्में

2. गाँव के मुद्दे

1. संयुक्त सम्पत्ति
2. व्यापार एवं वाणिज्य की स्थिति
3. सत्ता का वैधानिक ढाँचा
4. विभिन्न सरकारी योजनाओं के पश्चात् ग्रामीण विकास की स्थिति

3. न्यूनतम आवश्यकताए

1.ग्रामीण विद्युतीकरण का तरीका

2.पेयजल की आपूर्ति का तरीका

3.ग्रामीण साफ सफाई

4. ग्रामीण परिवार का अध्ययन

1.भोजन की आदतें

2.ईधंन एवं भोजन बनाना

3.परिवारों में भोजन का बँटवारा

4.गरीब परिवारों के लिए मन्दी के समय जीवित रह पाना

5.भूमिहीन परिवार के जीवन का एक दिन

6.किस प्रकार गम्भीर घटनाएँ जैसे सूखा, बाढ़, आगजनी या परिवार के कमाने वाले सदस्य की मौत परिवार को प्रभावित करती है।

7.मौसमी बीमारियों के कारण गाँव से शहर की ओर परिवार का पलायन

8.ग्रामीणों में कर्जदारी की स्थिति

5. सामाजिक धार्मिक मुद्दे

1. गाँव की जाति व्यवस्था
2.धार्मिक उत्सवों का चक्र
3.धर्म एवं अंधविश्वास, रिवाज तथा पर्व

6. महिलाएँ एवं स्वास्थ्य की देखभाल

1. परिवार में महिलाओं की स्थिति/विधवाओं की दशा
2. दहेज प्रथा की स्थिति
3. समाज के विभिन्न वर्गों में महिलाओं का स्थान
4. ग्रामीण एकल महिला परिवार
5. प्रचलित तरीके, जानकारियाँ तथा दृष्टिकोण जो स्वास्थ्य तथा प्रजनन कार्यक्रमों को प्रभावित करते है
6. शिशु मृत्यु दर
7. कुपोषण
8. ग्रामीण कृषक महिलाओं का स्तर

7. कानून और विवाद

1. न्यूनतम मजूदरी कार्यक्रम/वास्तविकता
2. ज़मीन पर लगान सम्बन्धी एवं आपराधिक मुकदमें की स्थिति
3. ज़मीन को लेकर होने वाले विवाद विशेषकर छोटे/आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर किसानों या भूमिहीनों सम्बन्धित

8. बच्चों की जानकारी

1. शिशु जन्म एवं मृत्यु दर
2. बच्चों में पोषण की स्थिति

9. पर्यावरण स्तर

ग्रामीण स्कूल/शिक्षण संस्थाएँ

1. गाँव का स्कूल/गाँव की शिक्षण संस्थाएं

1. स्कूल कहाँ पर स्थित है?
2. इसकी स्थापना कब हुई?
3. कितने अध्यापक हैं, महिला एवं पुरूष की संख्या क्या है?
4. कितनी कक्षाएँ है?
5. कितने कमरे हैं?
6. उम्र, लिंग, जाति, समुदाय के अनुसार उपस्थिति
7. पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर तथा कारण
8. स्कूल की अवधारणाएँ
9. स्कूल अध्यापकों की अवधारणायें
10. गाँव में साक्षरता का स्तर
11. यदि शिक्षा अथवा शिक्षण संस्थाओं में सुधार लाने की आवश्यकता है तो क्या किया जाना है?

2. ग्राम पंचायत

1. यह कहाँ पर है?
2. इसमें चुनाव कैसे हुए?
3. वित्त पोषण का प्रकार
4. कर व्यवस्था
5. वित्त विवरण
6. कर व्यवस्था
7. कार्यक्रम
8. कार्य का वितरण
9. महिलाओं जनजातियों एवं अनुसूचित जातियों तथा अल्पसंख्यकों की स्थिति, उनके लिए कानूनी प्रावधान तथा इनकी वास्तविकता क्या है?

3. अन्य संस्थानिक गतिविधियाँ

अनुपयोगी भूमि, सामाजिक, वानिकी, वाटरशेड, पेयजल तथा ईंधन की प्रश्नावली

1. ग्रामीण ईधन की आवश्यकता कैसे पूरी करते हैं? क्या आपके घर में गैस का चूल्हा काम में लेते है? यदि वह लकड़ी काम में लेते है तो वह कहाँ से मिलती है? उसका मूल्य क्या होता है? तथा उसे कौन इकट्ठा करता है?
2. ग्रामीण अपने पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था कैसे करते है?
3. पेड़ लगाने के प्रति ग्रामीणों का क्या रवैया है? क्या इसे सरकारी कार्यक्रम के रूप में देखा जाता है या फिर इस कार्यक्रम में लोगों को कोई लाभ दिखाई देता है।
4. संयुक्त जमीन पर गाँव वालों के पशु चराने के क्या अधिकार है? गाँव में घास या चारे की उपलब्धता बढाने के लिए क्या प्रयास किये गये हैं?
5. सबसे नजदीकी पौधशाला कितनी दूरी पर है? क्या गाँव वाले सामाजिक वानिकी के तहत फायदा उठा रहे है?
6. पेड़ लगाने की योजनाओ का फायदा कौन लोग मुख्य तौर पर उठा रहे है। जंगल के ठेकेदार? धनी किसान? राजनीतिज्ञ? वन विभाग कर्मचारी या गरीब?
7. क्या कोई गैर सरकारी संस्था गाँव में काम कर रही है यदि हाँ तो उससे क्या फायदे हुए हैं।
8. क्या निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलायें शामिल हैं, यदि हाँ, तो किस प्रकार से?

महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों पर प्रश्नावली :–

1. आप प्रातःकाल कब उठती है? तथा रात्रि में कब सोती है?
2. आप पढ़ना लिखना जानती है? तथा कौन–सी कक्षा तक पढ़ी है?
3. आपके कितने बच्चे है? क्या आपके बच्चों में से किसी की मृत्यु हुई है, यदि हां तो कैसे?
4. क्या आपके प्रसव आसानी से हुए? आपने प्रसव कहाँ करवाया?
5. गर्भावस्था में आप क्या खाती है? क्या आप दवाएँ लेती है? यदि हाँ तो कौन–सी?
6. क्या आपके गर्भ धारण और प्रसव के दौरान ए.एन.एम आपकी मदद करती है? यदि नही तो कौन करता है?
7. क्या आपकों और बच्चे चाहिए? इस मामले में कौन निर्णय लेता है?
8. आपके बच्चे क्या करते है? आपकी बेटियाँ क्या करती है?
9. गाँव का प्राथमिक स्कूल कहाँ है? क्या कभी आप वहाँ गई हैं।
10. क्या प्राथमिक विद्यालय में आने वाली बहनजी को आप जानती हैं? क्या वे आपके यहाँ कभी आती है?
11. क्या आपके बच्चे स्कूल जाते है? क्या आपको लगता है कि उन्हें स्कूल भेजने में फायदा है?
12. क्या आप चाहती है कि लड़कियाँ स्कूल जाये? यदि आप नहीं पढ़ी है तो क्या आप सोचती है कि आपकी माँ को आपको स्कूल भेजना चाहिए था?
13. आपके अनुसार लड़कियों को क्या पढ़ाना चाहिए?
14. क्या आप जानती है कि पंचायत कहाँ है?
15. पंचायत में कितनी महिला सदस्याएँ है? उनके क्या नाम हैं?
16. क्या कभी आप अपनी समस्याएँ लेकर पंचायत में गई है?
17. क्या कभी उन्होंने आपके पास आकर आपकी समस्याओं की जानकारी ली है?
18. क्या आपने कभी ग्राम सभा की बैठकों में अपनी समस्या रखी है? क्या महिला सदस्याएँ वहाँ बोलती है?
19. महिलाओं के बोलने पर गाँव वालों की क्या प्रतिक्रिया होती है?
20. क्या आप स्वयं बाजार जा सकती है।